सांध्य दैनिक

4PM

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 342 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 20 जनवरी, 2025

जब आप किसी काम की शुरुआत करें, तो असफलता से मत डरें और उस काम को ना छोड़ें। जो लोग इमानदारी से काम करते हैं वो सबसे प्रसन्न होते हैं।

–चाणक्य

7 बिहार चुनाव में अभी देरी पर बजने... 3 बिहार की राजनीति में नये सियासी... 2

महाकुंभ : व्यवस्थाओं पर सवाल!

आग लगने से लेकर वीआईपी कल्चर पर विपक्ष हमलावर

» सपा प्रमुख ने महाकुंभ में वीआईपी कल्चर पर जाहिर की चिंता

» सांसद राजीव शुक्ला का अरोप- बीजेपी ने महाकुंभ को बना दिया राजनीतिक संग्राम

» अजय राय का आरोप सरकार ने महाकुंभ को बना दिया इवेंट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। महाकुंभ की व्यवस्थाओं और अवयवस्थाओं पर राजनीति चरम पर पहुंच गयी है। सपा के बाद अब कांग्रेस ने महाकुंभ को लेकर सवाल उठाये हैं। अजय राय के बाद कांग्रेसी सांसद राजीव शुक्ला ने कहा है कि महाकुंभ राजनीतिक समागम नहीं है बल्कि यह साधु-संतों का समागम है।

उन्होंने कहा कि इंदिरा-नेहरू भी कुंभ में स्नान करने जाते थे और वह भी जाएंगे। इससे पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी बीजेपी पर महाकुंभ में वीआईपी कल्चर और वहां की अव्यवस्थाओं पर सवाल उठा चुके हैं। अजय राय ने तो बीजेपी पर महाकुंभ को इवेंट बना देने तक के आरोप लगाये हैं।

अखिलेश यादव ने वीआईपी कल्चर पर उठाये सवाल

सपा प्रमुख ने अति विशिष्ट अतिथियों को तीर्थयात्रियों से अधिक महत्व देने पर गुस्सा जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ परिसर में श्रद्धालुओं को मीलों घूम कर जाना पड़ रहा है। इससे बुजुर्गों, बच्चों और महिलाओं को अत्यधिक असुविधा, कष्ट और थकान का सामना करना पड़ रहा है, जिससे हर तरफ जाम जैसी स्थिति हो गई है। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि अति विशिष्ट अतिथियों को तीर्थयात्रियों से अधिक महत्व देते हुए संगम की तरफ जाने वाले सभी मार्ग बंद होने से महाकुंभ परिसर में

श्रद्धालुओं को मीलों घूमकर जाना पड़ रहा है। इससे बुजुर्गों, बच्चों और महिलाओं को अत्यधिक असुविधा, कष्ट और थकान का सामना करना पड़ रहा है। हर तरफ जाम जैसी स्थिति हो गई है। उन्होंने मांग की है कि तत्काल जाम को खुलवाया जाए। उन्होंने आगे लिखा, 卐सच्चे श्रद्धावान से महत्वपूर्ण अन्य कोई नहीं होना चाहिए। ट्रैफिक व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि सब सुचारू रूप से समानांतर चलता रहे, किसी के लिए भी रास्ते बंद नहीं होने चाहिए। अति विशिष्ट अतिथियों के आने पर तो आवागमन और भी सुगम और सुविधाजनक होना चाहिए, जिससे प्रतीत हो कि विशिष्ट लोगों के आने से व्यवस्था और अच्छी होती है।

बीजेपी ने इवेंट बना दिया : अजय राय

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि महाकुंभ जैसे धार्मिक आयोजन को अब केवल 卐एक इवेंट बना दिया गया है। अजय राय ने कहा कि महाकुंभ में बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे, लेकिन सेक्टर-19 में लगी आग ने यह साबित कर दिया कि सारी व्यवस्थाएं केवल दिखावे के लिए थीं। यह पूरा महाकुंभ अब एक इवेंट बन चुका है, जिस पर केवल मार्केटिंग की जा रही है। आंकड़े जारी किए जा रहे हैं, लेकिन इससे पहले कभी भी सरकारों ने आंकड़े जारी नहीं किए थे। हमारी परंपरा और आस्था हजारों साल पुरानी है, लेकिन अब इसे केवल एक इवेंट बना दिया गया है।

25 मिनट तक नहीं पहुंची फायर की टीम

उन्होंने कहा कि महाकुंभ के दौरान सैकड़ों साल पुरानी परंपरा, आस्था और संस्कृति का पालन किया जाता है, जहां लोग आस्था से स्नान और दान करते हैं। लेकिन यह सब अब प्रचार का हिस्सा बन चुका है। आग की घटना के बाद 25 मिनट तक फायर ब्रिगेड की टीम नहीं पहुंची, जो साबित करता है कि प्रशासनिक व्यवस्था में कितनी खामियां हैं। यदि सही व्यवस्था होती तो इस हादसे पर तुरंत काबू पाया जा सकता था। कांग्रेस नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी के बावजूद इस हादसे से निपटने में देरी हुई। मुख्यमंत्री वहां मौजूद थे, लेकिन अगर व्यवस्था सही होती तो इस तरह के हादसे से बचा जा सकता था। सिर्फ मुख्यमंत्री की मौजूदगी और प्रचार से काम नहीं चलता, जरूरी है कि मौके पर त्वरित कार्रवाई की जाए।

'संतो को जाना चाहिए श्रेय'

राज्यसभा सांसद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला ने आज बाकायदा प्रेस कांफ्रेंस कर कुंभ में डुबकी लगाने का एलान किया। उनहोंने कहा कि कि नेहरू जी और इंदिरा जी हर कुंभ में जाते थे। हम भी जाएंगे। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के सभी नेता जा रहे हैं। यह कोई राजनीतिक समागम नहीं है, यह साधु-संतों का समागम है। ये उसका भी श्रेय ले रहे हैं। संतों को श्रेय देने के बजाय वे स्वयं श्रेय लेने का प्रयास कर रहे हैं। हर जगह विज्ञापन, पोस्टर और होर्डिंग्स लगाए गए हैं।

बिहार की राजनीति में नये सियासी कनेक्शन से हलचल

» पशुपति पारस और राजद प्रमुख की मुलाकात ने बढ़ा दी राजनीतिक गर्मी

» दही चूड़ा भोज पर हुई थी लालू प्रसाद यादव और पशुपति की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिहार। रालोजपा अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस की राजद प्रमुख लालू यादव से मुलाकात के बाद बिहार की सियासत में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। हालांकि इन दोनों नेताओं की मुलाकात को राजद के राज्यसभा सांसद संजय यादव ने शिष्टाचार मुलाकात बताया है।

संयज यादइव के मुताबिक पशुपति कुमार और लालू यादव के बीच पारिवारिक संबंध रहे हैं। दही चूड़ा भोज पर गए दोनों नेताओं की शिष्टाचार मुलाकात हुई थी। वे दोनों राजनीतिक व्यक्ति हैं, तो एक-दूसरे से मिलना-जुलना लगा रहता है। पशुपति पारस के महागठबंधन में आने के सवाल पर संजय यादव ने कहा कि यह पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का विषय है, मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। पशुपति पारस का लंबा राजनीतिक अनुभव रहा है, उन्होंने लंबे समय तक जनता की सेवा की है। वह किसी महागठबंधन का हिस्सा बनते हैं, तो निश्चित तौर पर फायदा होगा।

राजद कार्यकारिणी बैठक में तेजस्वी यादव को पार्टी का कमान देने पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने सवाल खड़ा किया है। इस पर पलटवार करते हुए संजय यादव ने कहा कि सम्राट चौधरी दर्पण के सामने खड़ा होकर देखें, वह किसके बेटे हैं। उनकी मां चुनाव कहां से लड़ी थी। उनके परिवार में जितने लोग हैं, सब राजनीति में सक्रिय हैं।

15 साल से सम्राट चौधरी ने कोई चुनाव नहीं जीता

2020 में तेजस्वी यादव ने अकेले अपने दम पर विधानसभा चुनाव लड़ा था। सम्राट चौधरी लालू यादव के पॉलिटिकल स्कूल से पढ़े हैं और उनकी उपलब्धि यह है कि जीवन में वो दो बार चुनाव जीते हैं और दोनों बार राजद के सिंबल पर जीते हैं। 15 साल से सम्राट चौधरी ने कोई चुनाव नहीं जीता है। आपको बता दें बिहार में राष्ट्रीय जनता दल की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक शनिवार को संपन्न हुई। कार्यकारिणी ने तेजस्वी यादव को राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बराबर अधिकार दे दिए हैं। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आलोक मेहता ने पार्टी के संविधान में संशोधन का प्रस्ताव पेश किया। इसके बाद यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास हो गया।

राहुल को राहत, ट्रायल कोर्ट की कार्रवाई पर रोक

» गृहमंत्री अमित शाह पर राहुल गांधी द्वारा कि गयी कथित टिप्पणी मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले चाईबासा में एक रैली के दौरान केंद्रीय मंत्री अमित शाह पर उनकी कथित टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ मानहानि मामले में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी।

सुप्रीम कोर्ट ने गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी के लिए मानहानि का मामला रद्द करने संबंधी राहुल गांधी की याचिका पर झारखंड सरकार और स्थानीय भाजपा नेता को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने चुनावी रैली के दौरान अमित शाह के खिलाफ की गयी टिप्पणी के लिए राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगा दी है।

छवि खराब करने का लगाया था आरोप

भाजपा के कार्यकर्ता नवीन झा ने अमित शाह के खिलाफ राहुल गांधी द्वारा कि गयी कथित टिप्पणी के लिए 2019 में मामला दर्ज कराया था। दरअसल 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले चाईबासा में अपने एक भाषण के दौरान राहुल गांधी ने कथित तौर पर शाह के लिए 'हत्यारा' शब्द का इस्तेमाल किया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने राहुल गांधी की अपील पर झारखंड सरकार और भाजपा नेता को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है।

राहुल ने झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश को दी है चुनौती

राहुल गांधी ने झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी है। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ जारी कार्यवाही को रद्द करने का अनुरोध करने वाली उनकी याचिका खारिज कर दी थी।

समान नागरिक संहिता नियमावली को धामी सरकार की मंजूरी

» तारीखों का ऐलान जल्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में आज सोमवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अगुवाई में कैबिनेट बैठक में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) नियमावली को मंजूरी दे दी गई। यूसीसी पर उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि सरकार ने 2022 में विधानसभा चुनावों से पहले किए गए वादों को पूरा किया है।

सीएम धामी कहा कि हमने 2022 में उत्तराखंड के लोगों से यह वादा किया था कि हमारी सरकार बनते ही हम राज्य में यूसीसी विधेयक लाएंगे। हम इसे लेकर आए। ड्रॉफ्ट कमिटी ने इसका मसौदा तैयार किया, इसे पारित किया गया, राष्ट्रपति की ओर से भी इसे मंजूरी मिल गई और अब यह कानून बन गया है। ट्रेनिंग की प्रक्रिया भी लगभग पूरी हो चुकी है। समान नागरिक संहिता पिछले कई सालों से राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी के मुख्य एजेंडे में रही है, लेकिन उत्तराखंड में पार्टी की धामी सरकार पिछले साल लोकसभा चुनाव से ठीक पहले इसे अपने यहां लागू करने की दिशा में ठोस कदम उठाने वाली पहली सरकार बन गई।

पिछले साल फरवरी में पेश हुआ था बिल

मुख्यमंत्री धामी की ओर से गठित और सुप्रीम कोर्ट की रिटायर जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अगुवाई वाली एक विशेषज्ञ समिति ने पिछले साल फरवरी में राज्य सरकार को चार खंडों में एक व्यापक ड्रॉफ्ट पेश किया था। ड्रॉफ्ट पर आगे बढ़ते हुए राज्य सरकार ने 6 फरवरी को उत्तराखंड समान नागरिक संहिता विधेयक विधानसभा में पेश कर दिया और इसे 7 फरवरी को बहुमत के साथ पारित कर दिया गया। यूसीसी अधिनियम को अगले महीने 11 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी भी मिल गई, जिससे यह पहाड़ी राज्य देश में यूसीसी अधिनियम लागू करने वाला पहला राज्य बन गया।

मुंबई-दिल्ली सबसे ज्यादा असुरक्षित: उदित राज

» माफिया जेलों से अपने-अपने गैंग आपरेट कैसे कर रहे हैं?

» उदित राज ने हाल की घटनाओं को लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा किया

» जेल से चला रहे हैं गैंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने हाल में घटित घटनाओं का हवाला देते हुए आरोप लगाया है कि देश के महानगरों में रहने वाले लोगों के मन में असुरक्षित होने की धारणा तेजी से बढ़ रही है। सबसे ज्यादा लोग मुंबई और दिल्ली में खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि सैफ अली खान पर हमला करने वाले आरोपी के बांग्लादेशी कनेक्शन पर कांग्रेस कहा है कि यह घटना सुरक्षा के ऊपर सवाल खड़ा करती है। जब से यह सरकार आई है, तब से मुंबई और दिल्ली भी असुरक्षित हो गई हैं। माफिया देश और विदेश में जेलों से अपना गैंग ऑपरेट कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने टेलीविजन चैनलों से निवेदन किया कि दुनिया में बहुत दुख और समस्याएं हैं। एक आदमी को लेकर इतना मसाला चलाना गलत है।

केजरीवाल पर क्यों होता है हमला?

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर चुनाव प्रचार के दौरान हुए हमले को लेकर कांग्रेस नेता उदित राज ने सवालिया लहजे में कहा, हमला बार-बार अरविंद केजरीवाल के ऊपर ही क्यों होता है? कभी कोई पानी, कभी स्याही फेंक देता है। केजरीवाल से लोग बहुत नफरत करते हैं।

प्रवेश वर्मा का करीबी है पत्थरबाज

उन्होंने आगे कहा, केजरीवाल पर हुए हमले से दो तरह की बातें सामने आ रही हैं। पहली यह कि बच्चों को उनकी गाड़ी से टक्कर लगी, जिसके बाद लोगों ने पत्थर मारा। वहीं दूसरी यह कि पत्थर मारने वाला आरोपी भाजपा प्रत्याशी प्रवेश वर्मा का करीबी है। इस मामले में जांच होनी चाहिए और जो भी दोषी है, उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल पर हुए हमले का दोषी भाजपा को मान रही है। रविवार को सीएम आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि अरविंद केजरीवाल की गाड़ी पर भाजपा के गुंडों द्वारा हमला करवाया गया।

साहब ई डी की बात नहीं करते... लेकिन आप पार्टी तो बदल सकते हैं...

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

मोदी सरकार की नीति से निवेशकों का भरोसा टूटा : जयराम रमेश

» कांग्रेस ने भाजपा पर बोला हमला- बजट में छापेमारी राज और कर आतंक को खत्म किया जाना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने दावा किया कि मोदी सरकार की प्रतिगामी नीतियों ने भारत में निवेशकों का भरोसा तोड़ दिया है और व्यापार करने में आसानी (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) को व्यापार करने में असुविधा (अनईज ऑफ डूइंग बिजनेस) में बदल दिया है। केंद्रीय बजट से पहले विपक्षी दल ने कहा किइसे ठीककरने केलिए आगामी बजट में छापेमारी राज और कर आतंक को खत्म करना होगा।

पार्टी ने सरकार से भारतीय विनिर्माण नौकरियों की रक्षा के लिए कदम उठाने और मजदूरी व क्रय शक्ति को बढ़ाने के लिए निर्णायक कार्वाई करने का भी आह्वान किया। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार लंबे समय से भारत में व्यापार करने में आसानी में सुधार की इच्छा को लेकर ढिंढोरा पीटती रही है, लेकिन पिछले एक दशक में निजी निवेश में कमी ही देखने को मिली है।

उन्होंने कहा कि निजी निवेश रिकॉर्ड निचले स्तर पर चला गया है और बड़ी संख्या में उद्योगपति भारत छोड़कर विदेश चले गए हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, जीएसटी और आयकर को मिलाकर बनने वाली पेचीदा, दंडात्मक, और मनमानी कर व्यवस्था भारत की समृद्धि के लिए खतरा बनी हुई है। यह पूरी तरह कर आतंक जैसा है। इससे व्यापार करने में आसानी की जगह व्यापार करने में असुविधा को बढ़ावा मिल रहा है।

बिहार चुनाव में अभी देरी पर बजने लगी रणभेरी

नीतीश की फिसली जुबान, मचा घमासान

तेज प्रताप के बयान ने तेजस्वी को दे दी टेंशन!

- नीतीश के बेटे ने मांगा वोट तो गरमाई सियासत
- अगले सीएम आपके सामने बैठे हैं : तेज प्रताप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में अभी चुनावों होने में लगभग दस महीने हैं। पर राज्य के दिग्गज नेताओं के बयान से वहां अभी से प्रचार शुरू हो गया है। जदयू, राजद व भाजपा के नेता ऐसे-ऐसे बयान दे रहे हैं कि बिहार राष्ट्रीय स्तर की खबरों में सुर्खियों में छाया हुआ है। ताजा घामसान लालू के बड़े पुत्र तेज प्रताप के अपने को सीएम कहने को लेकर जहां मचा है वहीं प्रदेश के सीएम के लड़कियों पर दिए बयान पर भी बतकही होने लगी है इन सबसे अलग नीतीश के पुत्र का चुनाव प्रचार में आने की बात कहने से भी बवाल हो गया है।

आने वाले चुनाव में पता चलेगा इन नेताओं की भूमिका क्या होगी पर इस बीच सियासी खबरें तो गढ़ने लगीं हैं। उधर शनिवार को नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पटना पहुंचने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश आ गया है। वहीं लालू यादव के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनता दल 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव के लिए तैयार हो रही है। पार्टी इस शनिवार को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक कर रही है। बैठक के दौरान महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने की उम्मीद है, जिसमें सभी की निगाहें पार्टी नेता तेजस्वी यादव और लालू प्रसाद यादव पर हैं। इन सबके बीच कई नेता वर्तमान पार्टियों छोड़कर दूसरी पार्टियों में आने-जाने लगे हैं। राजद की तैयारियों के बीच लालू यादव के बड़े बेटे और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है जो तेजी से चर्चा का विषय बन गया है। वीडियो में, तेज प्रताप को सोफे पर बैठे हुए और एक पंक्ति बोलते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम बहुत जल्द सरकार गिराने जा रहे हैं और अगला मुख्यमंत्री आपके ठीक सामने बैठा है। इस साहसिक बयान से उनके इरादों और संभावित राजनीतिक निहितार्थों के बारे में व्यापक अटकलें लगने लगी हैं। राजद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सांसद, विधायक और पार्टी के अन्य पदाधिकारी शामिल होंगे और अनुमान है कि बैठक के दौरान लालू यादव अपने छोटे बेटे तेजस्वी यादव को महत्वपूर्ण भूमिका सौंप सकते हैं। इससे कुछ घंटे पहले तेज प्रताप यादव ने अपने एक्स हैंडल पर वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने नेतृत्व पर एक संदेश भी शेयर किया था। तेज प्रताप ने लिखा कि नेतृत्व कोई पद या पदवी नहीं है; यह क्रिया और उदाहरण है। यह पूर्णतावाद के बारे में नहीं है, यह प्रयास के बारे में है। और जब आप हर दिन वह प्रयास करते हैं, तो वहीं परिवर्तन होता है। इसी तरह परिवर्तन होता है। अधिक सपने देखें, अधिक सीखें, और अधिक करें। इस बीच राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के लिए राजद नेताओं का आना शुरू हो गया है, जिसमें पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सभी सदस्य शामिल हैं। इस बैठक के दौरान पार्टी के संगठनात्मक चुनाव की घोषणा की जाएगी। राष्ट्रीय कार्यकारिणी में 85 सदस्य हैं, जिसमें लगभग दो सौ विशेष आमंत्रित सदस्य हैं, जिनमें राज्य इकाई के अध्यक्ष और विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख नेता शामिल हैं।

नीतीश के बेटे ने पिता के लिए मांगे वोट निशांत पहली बार जनता के बीच पहुंचे

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपने पिता के समर्थन में बयान दिया है। इससे राज्य की राजनीति में नई अटकलों को बल मिला है। अब तक राजनीति से दूरी बनाए रखने वाले निशांत ने बिहार की जनता से आगामी चुनावों में नीतीश कुमार के समर्थन में वोट करने की अपील की है। उनकी यह अपील चुनावों से पहले एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत मानी जा रही है। दरअसल, पटना जिले के बख्तियारपुर में

स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमा पर माल्यार्पण के दौरान निशांत ने अपने दादा के योगदान का जिक्र करते हुए कहा, मेरे दादा स्वतंत्रता सेनानी थे। वह आजादी की लड़ाई में जेल भी गए थे। इसी वजह से मुख्यमंत्री ने उन्हें राजकीय सम्मान दिया है।

चर्चा जोरों पर क्या राजनीति में कदम रखेंगे निशांत?

निशांत अब तक राजनीति से दूर रहे हैं, लेकिन उनके ताजा बयान से अटकलें तेज हो गई हैं कि वह सक्रिय राजनीति में प्रवेश कर सकते हैं। हालांकि, नीतीश ने हमेशा वंशवाद की राजनीति से खुद को अलग रखा है। अगर निशांत राजनीति में आते हैं, तो बिहार में सत्ता संतुलन पर इसका असर पड़ सकता है। बिहार में आगामी चुनाव से पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।

ऐसा क्या बोल गए सीएम नीतीश कुमार, जो हो गया हंगामा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तीसरे चरण की प्रगति यात्रा पर बेगूसराय पहुंचे हैं। अपनी यात्रा के दौरान सीएम नीतीश कुमार ने कुछ ऐसा बयान दे दिया, जिससे वह फिर से सुर्खियों में आ गए। जीविका दीदियों से बातचीत के दौरान उन्होंने पूछा कि पहले लड़कियां कपड़ा पहनती थी जी? अब कितना बढ़िया हो गया। सब कितना अच्छा पहन रही हैं और बोलती है कितना बढ़िया है। पहले यह बात नहीं बोल पाती थी। अब बहुत अच्छा हो गया है। अब कितना अच्छा लग रहा है। जब महिलाएं बढ़िया कपड़ा पहनकर कार्यक्रम में उपस्थित हो रही हैं। सीएम नीतीश कुमार के बयान से वहां मौजूद डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, मंत्री विजय कुमार चौधरी और अन्य लोग भी थोड़े असहज दिखे। हालांकि जल्द सभी लोगों ने बात को संभाल लिया। सीएम की बात को सुनकर वहां मौजूद मंत्री विजय कुमार चौधरी और सम्राट चौधरी असहज होने लगे और किसी तरह से बात को संभाला। इसके बाद सीएम ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी निरीक्षण किया और जीविका दीदियों से उनकी कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली। सीएम नीतीश कुमार ने कहा, हम लोग हर वर्ग का विकास चाहते हैं। महिलाएं जीविका के माध्यम से आगे बढ़ रही हैं और हम इस दिशा में निरंतर काम कर रहे हैं। पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं के विकास के लिए भी हमारी सरकार प्रतिबद्ध है।

पूर्व सांसद मंगनी लाल मंडल ने जेडीयू से दिया इस्तीफा, ग्रहण की आरजेडी की सदस्यता

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जेडीयू को बड़ा झटका लगा है और आरजेडी के कुनबे में बढ़ोतरी हुई है। पूर्व सांसद मंगनी लाल मंडल ने जेडीयू से अपना नाता तोड़ते हुए आरजेडी में घर वापसी की है। मंगनी लाल मंडल ने आरजेडी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण कर ली है। नेता प्रतिपक्ष और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। तेजस्वी यादव ने खुशी जाहिर

करते हुए कहा कि यह हमारे लिए गर्व का पल है कि हमारे अभिभावक और पिता जी के सहयोगी रहे मंगनी लाल मंडल फिर से पार्टी में शामिल हो गए हैं। मंगनी लाल मंडल के आने से पार्टी को लाभ होगा ही, साथ ही उनके अनुभव से हम समाजवादी युवा बिहार में समाजवाद को और भी ऊंचा उठा सकेंगे। मंगनी लाल मंडल को पार्टी में एक अहम भूमिका दी जाएगी। उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। वहीं, आरजेडी में शामिल होने के बाद मंगनी लाल मंडल ने कहा कि वह अपने पुराने घर में वापस लौटकर काफी खुश हैं।

उम्मीद करता हूं बिहार विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम अच्छा प्रदर्शन करेगी : ओवैसी

हैदराबाद के सांसद ओवैसी वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति की बैठक में भाग लेने के लिए पटना आये थे। ओवैसी ने कहा, मुझे उम्मीद है कि मेरी पार्टी (विधानसभा चुनावों में) अच्छा प्रदर्शन करेगी और उम्मीदवार जीतेंगे और विधायक बनेंगे। एआईएमआईएम के अन्य दलों के साथ गठबंधन करने की संभावना के बारे में

पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि बस इंतजार करें और देखिए क्या होता है। इससे पहले ओवैसी की पार्टी ने पिछले विस चुनाव में राज्य के सीमांचल के जिलों में पड़ने वाले विधान सभा सीटों पर कई उम्मीदवार उतारे थे । उनकों इसमें कोई खास कामयाबी नहीं थी। पर उन्होंने कई सियासी दलों के समीकरण जरू बिगाड़ दिए थे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

चर्चा नहीं सही में हो संघर्ष विराम!

> संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों-महिलाओं ने युद्ध में जान गवाई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इस्राइली हमलों में अस्पताल-स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए।

नेतन्याहू सरकार की कैबिनेट ने शुक्रवार को इस्राइल व हमास के बीच संघर्ष को विराम देने वाले मौसदे को मंजूरी दे दी हैं। पर बहुत से लोगों को अब भी इस्राइली पीएम पर भरोसे नहीं हैं। क्योंकि इससे पहले कई बार ऐसी घोषणाएं हुई पर उसपर अमल नहीं हुआ। हालांकि अब उम्मीद की जा सकती है कि इतने समय से चल रहा ये युद्ध समाप्त होगा जिसने हजारों मासूमों की जान ले ली । विराम के इस फैसले से दुनिया भर में शांति व अमन का संदेश भी जाएगा। निस्संदेह, इस्राइल व हमास के बीच युद्ध विराम पर सहमति होना महत्वपूर्ण है, लेकिन जब तक समझौता यथार्थ में लागू होता न नजर आए, तब कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों-महिलाओं ने युद्ध में जान गवाई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं।

इस्राइली हमलों में अस्पताल-स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए। बहरहाल, जब लंबे समय के बाद शांति की स्थितियां बन रही हैं तो विश्व समुदाय, शक्तिशाली राष्ट्रों व संयुक्त राष्ट्र का दायित्व बनता है कि समझौते की शर्तों को साफ नियत एवं नीति से क्रियान्वित किया जाये। ताकि मध्यपूर्व में स्थायी शांति एवं अमनचैन की राह मजबूत हो सके। निश्चित रूप से युद्ध शांति का विकल्प नहीं हो सकता। इस संघर्ष की शुरुआत भले हमास ने की हो, लेकिन इसकी सबसे बड़ी कीमत उन लोगों ने चुकाई, जो इसके लिये जिम्मेदार नहीं थे। युद्ध के आघात से युद्धरत देशों के साथ समूची दुनिया प्रभावित हुई है। युद्ध के आघात से तात्पर्य युद्ध के दौरान होने वाली दर्दनाक घटनाओं के परिणामस्वरूप व्यक्तियों द्वारा अनुभव किए जाने वाले मनोवैज्ञानिक संकट और शारीरिक-भावनात्मक पीड़ा से है, जैसे कि हिंसा का शिकार होना, दूसरों को नुकसान पहुंचाना, या संघर्ष के कारण प्रियजनों को खोना। युद्ध सामाजिक विश्वास को तोड़ता है, सामाजिक सामंजस्य को कम करता है और सामाजिक एवं राष्ट्रीय पूंजी को नुकसान पहुंचाता है। सशस्त्र संघर्ष के बाद, समाज उपसमूहों में गहराई से विभाजित हो जाता है जो युद्ध विराम के समझौते के बावजूद बाद के दौर में एक दूसरे से डरते हैं और नफरत करते हैं और लड़ाई जारी रखने के लिए तैयार रहते हैं। यह स्थिति अक्सर हिंसा के निरंतर चक्रों के लिए मंच तैयार करती है। अब उम्मीद की जा सकती है इस विभत्सता से फलस्तीन के लोगों को निजात मिलेगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारतीय समृद्धि और जीवन रक्षा को संबल

रंजन केलकर

कई सरकारी संगठनों का काम वैज्ञानिक अनुसंधान करना है और कई अदारे सीधे तौर पर जन-कल्याण से जुड़े काम करते हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) इस मायने में अद्वितीय है कि इसके हिस्से दोनों जिम्मेवारियां हैं। एक और खासियत जो आईएमडी को अन्य संगठनों से अलग करती है, वह यह है कि इसके लिए भविष्य की सटीक भविष्यवाणी देना एक अनिवार्यता है। यह अवधि अगले कुछ घंटों से लेकर दिनों, महीनों, वर्षों या दशकों तक हो सकती है और कार्यक्षेत्र की परिधि का पैमाना एक हवाई अड्डे या गांव से लेकर एक जिले, राज्य, देश, महाद्वीप या महासागर तक होता है।

15 जनवरी, 1875 को स्थापित हुए आईएमडी ने मौसम-निगरानी और विज्ञान-आधारित मौसमीय एवं जलवायु पूर्वानुमानों के माध्यम से, राष्ट्र की सेवा करने में हर संभव मौसम विज्ञान विधा का उपयोग करने का प्रयास किया है। इसकी गतिविधियों ने कृषि उत्पादन बढ़ाने, जल संसाधनों का प्रबंधन, विमानन सुरक्षा सुनिश्चित करने और आपदाओं की ताब कम करने में मदद की है। आईएमडी लोगों के जीवन से सीधे जुड़ा है, नीतियों को प्रभावित करता है और भविष्य की कल्पना करने में मदद करता है। वास्तव में, आईएमडी ने अपने 150 वर्षों के सफर में एक लंबा रास्ता तय किया है। पिछले दशक में, विशेष रूप से स्थान एवं समय के तमाम पैमानों पर, आईएमडी के पूर्वानुमानों के दायरे और सटीकता में एक उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राडार, उपग्रहों और सुपर कंप्यूटरों का उपयोग कर बनाए गए उन्नत भविष्यवाणी मॉडल आईएमडी की तकनीकी-वैज्ञानिक बुनियाद में विस्तार होने का स्पष्ट परिणाम है। उष्ण कटिबंधीय चक्रवातों की वजह से होने वाला जानी नुकसान कई हज़ारों की संख्या से घटकर लगभग शून्य हो गया है। सूखा और बाढ़, जो कि मानसून की बारम्बार घटने वाली प्रवृत्ति है, अब पूरी तरह से प्रबंधनीय हो गए हैं। भारत के ब्रिटिश शासकों को वेधशालाओं के प्रति स्वाभाविक आकर्षण था – खगोलीय, भूकंपीय, भूचुंबकीय और ज़ाहिर है, मौसम संबंधी। आईएमडी के अस्तित्व में आने से लगभग 80 साल पहले भी, स्थानीय सरकारों, रेलवे और बंदरगाह प्राधिकरण ने मौसम रिकॉर्ड करने के लिए अपनी वेधशालाएं स्थापित कर रखी थीं।

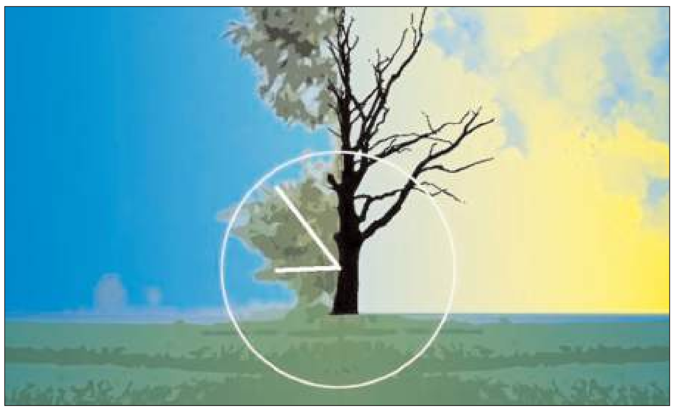

ऐसे कई व्यक्ति भी थे जिनके लिए खगोल विज्ञान और मौसम विज्ञान एक गंभीर शौक था। इनमें सिविल नागरिक और सेना के अधिकारी, डॉक्टर, प्रोफेसर, भूगोलवेत्ता, नाविक, सर्वेक्षक और मिशनरी शामिल थे, जो यत्नपूर्वक मौसम संबंधी रिकॉर्ड सहेजकर रखते थे। अपवाद स्वरूप, भारत की सबसे पहली वेधशालाओं में से एक, त्रिवेंद्रम में, अंग्रेजों ने नहीं बल्कि त्रावणकोर के महाराजा द्वारा स्थापित की गई थी। इसलिए, भारत इस मामले में भाग्यशाली है कि उसके पास दो शताब्दियों तक का मौसम संबंधी रिकॉर्ड मौजूद है, जो जलवायु परिवर्तन अध्ययन के लिए एक मूल्यवान भंडार है। वर्ष 1875 तक, भारत में 86 मौसम संबंधी वेधशालाएं खुल चुकी थीं और अब वक्त था उन्हें एक एजेंसी के तहत लाने का।

भारत सरकार ने इसका नामकरण 'भारत मौसम विज्ञान विभाग' करने का फैसला लिया, जिसका कार्यक्षेत्र क्वेटा से रंगून और लेह से कोलंबो तक फैला हुआ था। आरंभ में इसके नेतृत्व के लिए 'भारत सरकार का इंपीरियल मौसम विज्ञान रिपोर्टर' नामक पद सृजित किया गया। बाद में इस पदनाम को 'महानिदेशक, वेधशालाएं' और फिर आगे चलकर यह 'महानिदेशक, मौसम विज्ञान' हुआ। इस विभाग की एक खासियत यह भी रही कि इसका कामकाज मालिक-गुलाम वाले औपनिवेशिक ढंग से नहीं चला, भारतीय वैज्ञानिकों की भर्ती 1885 से ही आईएमडी में होने लगी थी और 1920 तक अधिकांश वरिष्ठ पदों पर भारतीय ही आसीन थे। भारत को स्वतंत्रता मिलने से भी काफी पहले, आईएमडी का मुखिया एक भारतीय रह चुका था। यूं आईएमडी में कई ब्रिटिश मौसम विज्ञानी भी थे। जिनके उल्लेखनीय काम ने मानसून और उष्णकटिबंधीय चक्रवातों को बूझने में हमारे ज्ञान में महत्वपूर्ण वृद्धि की। आईएमडी में कार्यरत कई भारतीय मौसम विज्ञानियों ने नए वैज्ञानिक संस्थानों के निर्माण में मदद की। आईएमडी के प्रतीक चिन्ह में शामिल संस्कृत शब्द 'आदित्यात् जायते वृष्टि:' भारत के सदियों पुराने ज्ञान साहित्य से लिया गया है।

ट्रंप काल में बढ़ेगी चीन की वैश्विक भूमिका

टीएन निनान

अब जबकि डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण करने जा रहे हैं, ऐसे में दुनिया मौलिक परिवर्तन के बीच फंस गई है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे शक्तिशाली देश भी अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता सीमित बनाए रखने के लिए तैयार थे, जिसमें वे अधिकांशत: वैश्विक नियमों और सहकारी कार्रवाई का पालन करने के लिए सहमत थे। ऐसे नियम कई विषयों पर बनाए गए थे। केवल व्यापार और शुल्क ही नहीं, बल्कि परमाणु अस्त्र, समुद्रीय कानून और राष्ट्रीय सीमाओं की पवित्रता पर भी। आज दो कारणों से यह बदलने लगा है। पहला है चीन का उद्‍भव और उसके साथ-साथ हो रहा वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव। चीन कोई यथास्थितिवादी शक्ति नहीं है, इसलिए वह उलट-फेर कर चीजों को बदलना चाहता है और अमेरिका को चुनौती देने को बेकरार है। दूसरा है शक्ति-संपन्न राष्ट्रों में शासकों के रूप में अधियानक बनने पर उतारू लोगों का उदय – व्लादिमीर पुतिन, शी जिनपिंग और अब डोनाल्ड ट्रम्प।

इन दो घटनाक्रमों ने कुछ ऐसा फिर से जिंदा कर दिया है जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद लगभग मर चुका था, यानी महाशक्तियों द्वारा किए गए युद्ध, जिनका उद्देश्य नया इलाका हासिल करना है। इराक पर अमेरिकी युद्ध एक तरह से पूर्व-चेतावनी थी। तीन साल पहले पुतिन ने यूक्रेन पर चढ़ाई कर दी। ऐसा लगता है कि शी जिनपिंग ताइवान पर चीनी हमले की तैयारी कर रहे हैं। अब ट्रंप पनामा नहर और ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए बल प्रयोग की धमकी दे रहे हैं। अब बहुपक्षीय कार्रवाई करने की बजाय एकतरफा अभियान को प्राथमिकता दी जाने लगी है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व व्यापार संगठन की घटती भूमिका एवं उपयोगिता के बीच जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए निर्धारित कार्रवाइयों का सिरे न चढ़ना चिंतनीय है। भू-राजनीति सदा ही सत्ता को लेकर रही है, लेकिन अब यह नियमों से बेलगाम हुई सत्ता विस्तार में बदलने लगी है। यह बात दक्षिण चीन सागर, गाजा का नरसंहार, तिब्बत में ब्रह्मपुत्र के ऊपर एक विशाल नया बांध और तीसरी दुनिया के सीधे संघर्ष से बचने वाले देशों को प्रभावित करने वाले आर्थिक प्रतिबंधों के मामले में एकदम सच दिखाई देती है।

इस सबके मूल में मानसिकता में आया बदलाव है, जो परस्पर निर्भरता और व्यापारिक नेटवर्क को लाभप्रद रूप में न देखकर इन्हें कमजोरी के तौर पर लेती है। इसलिए हम आधी सदी से भी ज़्यादा पुरानी व्यापार उदारीकरण की परंपरा से परे हटते दिख रहे हैं। इसके लिए, वैश्वीकरण गया भाड़ में, 'सबसे पहले मेरे देश का हित' वाली नीति अपनाना है। नेटवर्क वाली अर्थव्यवस्था छोड़ दो, आत्मनिर्भरता अपनाओ। मंडी के फायदे से बाहर निकलो, राष्ट्रीय व्यापारिक सुरक्षा पहले। कोई एक सदी पहले, जब इस सूत्र को आजमाया गया था, तो यह तरीका कारगर साबित नहीं हुआ था, लेकिन लगता नहीं कि इतिहास से मिले सबक बहुत ज़्यादा देर तक असरदार रहे।

शायद सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि अतीत में नियम-निर्माण का बहुत बड़ा स्रोत यानी संयुक्त राज्य अमेरिका, अब धरती का सबसे अविश्वसनीय देश बन गया है। फाइनेंशियल टाइम्स के एक स्तंभकार ने अपने लेख में पूछा है : 'क्या अमेरिका एक बेलगाम देश बन गया है'। कोई नहीं जानता कि यह आगे क्या करने जा रहा है, और तो और इसके सहयोगी भी नहीं। यह सब दुनिया को कहीं ज़्यादा अशांत जगह बनाएगा, जहां पहले से बहुत सी अनिश्चितताएं और जोखिम व्याप्त हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से जो सहकारी एजेंडे बनाए गए थे, वे पश्चिमी प्रतिमान की प्रधानता के कारण संभव हुए थे। ये कानून एवं समझौते पहले से मौजूद सत्ता संरचनाओं को दर्शाते थे और जिन्हें युद्ध से उभरे सबसे शक्तिशाली देश द्वारा लागू किया गया था। अगर यह विश्व व्यवस्था, जैसा कि बताया जा रहा है, यदि अब टूट रही है, तो हमें मूल कारण पर वापस जाना होगा – चीन के उदय से पश्चिम के लिए बनता खतरा, एक अभूतपूर्व गति और पैमाने पर। पश्चिमी प्रतिक्रिया – इस धारणा से प्रेरित है कि चीन ने स्वीकृत व्यापार नियमों का पालन नहीं किया, पश्चिम के औद्योगिकीकरण को नुकसान पहुंचाने के लिए व्यवस्थित रूप से काम किया। पश्चिमी प्रौद्योगिकियों को भी चुराया है- लिहाजा उस पर व्यापार प्रतिबंध, बढ़ाया टैरिफ, प्रौद्योगिकी तकनीक देने से इनकार इत्यादि अनेक अन्य उपाय किए जाएं। लेकिन शायद यह करने में बहुत देर कर दी।

चीन की औद्योगिक श्रेष्ठता को कोई चुनौती नहीं दे पाएगा। पिछले साल इसने अमेरिका से 12.6 गुणा अधिक स्टील, 22 गुणा अधिक सीमेंट और तीन गुणा अधिक कारें बनाईं- जिनके इलेक्ट्रिक मॉडलों के साथ यह अब कार बाजार में जापानी और जर्मनी के वर्चस्व को पछाड़ने की हैसियत में आ चुका है। सकल वैश्विक जलपोत उत्पादन में चीनी शिपयार्ड का हिस्सा आधे से अधिक है। 2030 तक, चीन का विनिर्माण क्षेत्र समूची पश्चिमी दुनिया के कुल उत्पादन से अधिक होने का अनुमान है। फिर भी चीन ने 2024 में रिकॉर्ड व्यापार अधिशेष का आनंद लिया, और ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने के कगार पर है। कुछ क्षेत्रों में यह तकनीक के मामले में पश्चिमी मुल्कों से आगे निकल गया है। लेकिन अब चीनी अर्थव्यवस्था को गंभीर ढांचागत समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वास्तविकता जिससे निपटा जाना चाहिए वह यह है कि पश्चिम मुल्क जितना अधिक खतरा महसूस कर रहे हैं, उतनी ही जल्दी वे अपने उन नियमों को तज रहे हैं जिनका इस्तेमाल कर उन्होंने कभी खेल किया था।

आंवला सेहत के लिए है फायदेमंद

सर्दियों में आंवले का अचार खाने का अलग ही है मजा

सर्दियों के साथ ही अगर आप राजधानी दिल्ली या आसपास के रहने वाले हैं तो ठंडक के साथ ही प्रदूषण ने भी दस्तक दे दी है। ठंडी हवाओं के साथ प्रदूषित वायु विषाक्त संयोजन (टॉक्सिक कॉम्बिनेशन) है, जो बिगड़ी जीवनशैली और गलत आदतों के कारण व्यक्ति के स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर डालती है। इस कारण सर्दियों के मौसम में स्वास्थ्य समस्याएं अधिक होना सामान्य है। सर्दी और प्रदूषण के खराब जीवनशैली की वजह से कई स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ जाती हैं, जैसे बालों का झड़ना, उम्र से पहले बाल सफेद होना, त्वचा पर एक्ने, गट की शिकायत आदि। इस स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करने के लिए कई लोग सप्लीमेंट और दवाओं पर निर्भर हो जाते हैं। हालांकि अपने खान-पान में कुछ औषधीय गुणों से युक्त चीजों को शामिल करके सर्दियों में होने वाली समस्याओं से बचा जा सकता है। अक्सर दादी नानी के नुस्खों में आंवला के सेहतमंद फायदों का जिक्र होता है। लेकिन कच्चे आंवले का सेवन करना स्वाद की दृष्टि से कई लोगों को नहीं पसंद आता है। वैसे तो आंवले से कई रेसिपी बनती हैं, जिसका सेवन किया जा सकता है लेकिन सर्दियों में आंवले का अचार स्वास्थ्य और स्वाद दोनों के लिए लाभकारी हो सकता है।

सेवन का सही तरीका

ताजा और कच्चा आंवला स्वाद में तीखा और खट्टा हो सकता है। आप इसे स्वादिष्ट बनाने के लिए टुकड़ों में काटकर खाएं। आप आंवले में हल्का नमक मिलाकर खा सकते हैं। आंवले में सारे रस होते हैं नमकीन छोड़कर। ऐसे में नमक मिलाने से ये संपूर्ण बन जाता है और खट्टास भी बैलेंस होती है। आंवले के तीखेपन को कम करने के लिए एक चम्मच शहद मिलाकर खा सकते हैं। आप चाहें तो आंवले के जूस का सेवन कर सकते हैं। कुछ लोग आंवले के मुरब्बा का भी सेवन करते हैं। सवाल ये है कि क्या आप स्वास्थ्य लाभ के लिए आंवले का अचार खा सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ आंवले के अचार के सेवन से परहेज की सलाह देते हैं। कारण है अचार में उपयोग होने वाला अत्यधिक तेल और मसाला। लेकिन विदेशी तरीके से तैयार आंवले के अचार में न तो अत्यधिक तेल होता है और न मिर्च मसाला।

अचार के फायदे

विटामिन सी एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है जो त्वचा में निखार लाता है, झुर्रियों को कम करने, त्वचा की नमी को बनाए रखने और सुस्ती को कम करने के लिए कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा देने में मदद करता है। इसकी एंटी इंफ्लामेटरी प्रॉपर्टी सूजन को कम करने, मुहांसे, लालिमा या जलन को कम करने में मदद करती है। विटामिन सी काले धब्बों को कम करके त्वचा की रंगत एक समान करने का काम करता है।

औषधीय गुणों से भरपूर

विनेगर, पानी, नमक और नाममात्र के तेल के मिश्रण से आंवले का अचार बनाया जा सकता है, जो अपने औषधीय गुणों को बनाए रखता है। पाश्चात्य तकनीक से बने आंवले के अचार में कच्चे आंवले की तुलना में बेहतर बायो एबिलिटी, संरक्षण और पोषण संबंधी लाभ होते हैं। खास बात ये है कि इस तरह के आंवले के अचार को छह महीने से अधिक समय तक स्टोर करके रखा जा सकता है। ये विटामिन सी के गुणों को बढ़ाता है। अचार में तेल और नमक की मात्रा को सीमित करके आंवले या नींबू के अचार कई स्वास्थ्य लाभ पहुंचा सकता है जैसे पाचन, त्वचा, गट हेल्थ को बेहतर रखना।

पोषक तत्व

आंवले में भरपूर मात्रा में विटामिन सी होता है, जो विशेषज्ञों के मुताबिक त्वचा और बालों को पोषण देता है। आंवले में विटामिन ए, विटामिन-बी1और विटामिन-ई पाया जाता है। इसे कैल्शियम और आयरन का अच्छा स्रोत माना जाता है। साथ ही आंवले में पोटेशियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम और बहुत अधिक मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट के गुण होते हैं।आंवला में कार्बोहाइड्रेट और फाइबर भी पाया जाता है। आंवला खाने से आंखों की रोशनी तेज होती है। बाल और त्वचा पर सकारात्मक असर होता है।

हंसना मना है

मेरी बात गौर से सुनना, अगर कोई आपको पागल कहे तो दुखी मत होना, अफसोस भी मत करना और रोना भी मत, बस आराम से चेयर पर बैठ कर सोचना की। इसको पता कैसे चला।

साइकिल चलाकर पैर दुखे तो बाईक ली, बाईक चलाकर पीठ दुखी तो कार लाये, कार चलाकर पेट निकला तो जिम ज्वाइन किया और जिम में वापस साइकिल, इसे कहते है रिसायक्लिंग।

पत्नी- आप मुझे रानी क्यों बोलते हो? पति - क्योंकि नौकरानी थोड़ा लम्बा शब्द हो जाता है। पत्नी गुस्से से- तुम्हें पता है कि मैं तुम्हें जान क्यों बोलती हूं? पति- नहीं। बताओ तो जरा। पत्नी- जानवर थोड़ा लम्बा शब्द हो जाता है इसलिए सिर्फ जान बोल देती हूं।

5 साल का बच्चा- आई लव यू मां, मां- आई लव यू टू बेटा! 16 साल का लड़का-आई लव यू मॉम, मां- सॉरी बेटा, पैसे नहीं है! 25 साल का लड़का- आई लव यू मां, मां- कौन है वो चुड़ैल? कहा रहती है? 35 साल का आदमी- आई लव यू मां, मां- बेटा मैंने पहले ही बोला था, उस लड़की से शादी मत करना! और सबसे बढ़िया।। 55 साल का आदमी- आई लव यू मां, मां- बेटा, मैं किसी भी कागज पर साइन नहीं करूंगी!

कहानी | कबूतर का घोंसला

एक बार गौतम बुद्ध शाम के समय कुटिया के बाहर शिष्यों के साथ बैठे थे। तभी वहां एक कबूतर का जोड़ा उड़ता हुआ आ गया। उन्हें देख कर महात्मा बुद्ध को एक कहानी याद आई और उन्होंने शिष्यों को कहानी सुनाना शुरू किया। एक पेड़ पर एक कबूतर और कबूतरी रहते थे। कुछ समय बाद कबूतरी ने उसी पेड़ की टहनी पर तीन अंडे दिए। एक दिन कबूतर और कबूतरी दोपहर के समय खाना ढूंढते हुए कुछ दूर निकल गये। तभी कहीं से एक लोमड़ी आ गयी। वह भी भोजन की तलाश में पेड़ पर चढ़ी। जहां उसे कबूतर के अंडे मिल गये और वो अंडों को खा गयी। जब कबूतर का जोड़ा वापस आया तो अंडे न पा कर बहुत परेशान हो गया। दोनों को बहुत बुरा लग रहा था। उनका मन टूट सा गया। तभी कबूतर ने निश्चय किया कि अब वह घोंसला बनाएंगा। ताकि फिर कभी उसके अंडे कोई न खा जाए। कबूतर ने अपने निर्णय अनुसार तिनके इकट्ठे करके घोंसला बनाना शुरू किया। पर उसे एहसास हुआ कि उसे तो घोंसला बनाना आता ही नहीं है। तब उसने मदद के लिए जंगल के दूसरे पक्षियों को बुलाया। सभी पक्षी उसकी मदद के लिए आ गये आर उन्होंने कबूतर के लिए घोंसला बनाना शुरू किया। पक्षियों ने अभी कबूतर को सिखाना शुरू ही किया था कि कबूतर ने बोला कि अब वो घोंसला बना लेगा। उसने सब सीख लिया है। सभी पक्षी यह सुन कर वापस चले गए। अब कबूतर ने घोंसला बनाना शुरू किया। उसने एक तिनका इधर रखा एक तिनका उधर। उसे समझ आया कि वह अभी भी कुछ नहीं सीखा है। उसने फिर से पक्षियों को बुलाया। पक्षियों ने आ कर फिर घोंसला बनाना शुरू किया। अभी आधा घोंसला बना ही था कि कबूतर जोर से चिल्लाया, तुम सब छोड़ दो अब मैं समझ गया हूं यह कैसे बनेगा। इस बार पक्षियों को बहुत गुस्सा आया। सारे पक्षी तिनके वहीं छोड़ कर चले गये। कबूतर ने फिर कोशिश की पर उससे घोंसला नहीं बना। कबूतर ने तीसरी बार पक्षियों को बुलाया, लेकिन इस बार एक भी पक्षी मदद के लिए नहीं आया और आज तक कबूतर को घोंसला बनाना नहीं आया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नौकरी में अधिकारी का सहयोग तथा विश्वास मिलेगा। पारिवारिक व्यस्तता रहेगी। आकस्मिक व्यय से तनाव रहेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। विवेक से कार्य करें।

वृषभ

लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। शत्रु भय रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी। नौकरी में कार्य व्यवहार, ईमानदारी की प्रशंसा होगी। मशक्कत करने से लाभ होगा।

मिथुन

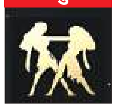

मान-सम्मान मिलेगा। कारोबारी नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्त्री कष्ट संभव। कलह से बचें। कार्य में सफलता, शत्रु पराजित होंगे।

कर्क

आज देव दर्शन प्राप्त होंगे। राज्य से लाभ होने की संभावना। मातृपक्ष की चिंता। वाहन-मशीनरी का प्रयोग सावधानी से करें। धनागम की संभावना। मित्र मिलेंगे।

सिंह

माता का स्वास्थ्य ठीक बना रहेगा। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। झंझटों में न पड़ें। आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना।

कन्या

जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। नेत्र पीड़ा की संभावना। धनलाभ एवं बुद्धि लाभ होगा। शत्रु से परेशान होंगे। अपमान होने की संभावना।

तुला

आज उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। धनागम सुस्त रहेगा। कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। कुछ लाभ की संभावना। भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक

पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु पर विजय, हर्ष के समाचार मिलने की संभावना। कुसंग से हानि।

धनु

आज व्यर्थ की भागदौड़ करना होगी। भय-पीड़ा, मानसिक कष्ट की संभावना। लाभ तथा पराक्रम ठीक रहेगा। दु:समाचार प्राप्त होंगे। भयकारक दिन रहेगा।

मकर

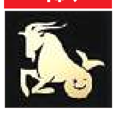

यात्रा के योग बनेंगे। कुछ कष्ट होने की संभावना। लाभ के योग बनेंगे। स्त्री वर्ग को कष्ट। कुसंग से कष्ट। कलहकारक दिन रहेगा। अपनी तरफ से बात को बढ़ावा न दें।

कुम्भ

आय में वृद्धि होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। चिंताएं जन्म लेंगी। स्त्री पीड़ा, कुछ लाभ की आशा करें।

मीन

धन का लाभ होगा। रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार की चिंता रहेगी। अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। चिंता से मुक्ति नहीं मिलेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

140 करोड़ की जिम्मेदारी सिनेमा पर नहीं: जयदीप

ऐसा कहा जाता है कि फिल्में हमें प्रेरित करती हैं। वो हमारे दिमाग में समाज की एक छवि बनाती हैं। हमें इस दुनिया की असलियत से रूबरू कराती है। लेकिन क्या सच में फिल्में समाज को बदलने का काम करती है? बॉलीवुड एक्टर जयदीप की सोच इस मुद्दे पर थोड़ी अलग है। कुछ समय पहले जयदीप कई एक्टर्स समेत एक राउंड टेबल इंटरव्यू का हिस्सा बने थे जहां उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से लेकर एक्टिंग की बारीकियों पर बातें की। इसी बीच एक सवाल ये भी उठा कि क्या फिल्में समाज की सोच बदलने का काम करती हैं या नहीं? तो इसपर जयदीप ने भी अपना पक्ष रखा। एक्टर ने कहा था, अगर हम रामायण महाभारत से कुछ नहीं सीख पाए, तो मिर्जापुर सीजन 1 या 3 हमें नहीं सिखा सकता है। अक्सर ऐसा कहा जाता है कि कोई इंसान दरिंदगी और बदतमीजी फिल्मों और सीरीज से ही सीखता है। वो कई बुरे कामों को अंजाम समाज में शामिल फिल्में देखकर ही देता है। लेकिन जयदीप का मानना है कि 140 करोड़ देशवासियों की जिम्मेदारी अकेली सिनेमा पर थोपना गलत है। उन्होंने कहा- 140 करोड़ की जिम्मेदारी आप सिनेमा पर नहीं डाल सकते। आपके समाज में ही कुछ गड़बड़ है। कोई भी उठकर ये नहीं कहेगा कि मुझे मिर्जापुर का गुड्डू भईया बनना है और अगर उसके अंदर ये खयाल आया है, वो गुड्डू भईया को देखकर नहीं आया। वो पहले से ही वैसा था। वो पहले से किसी से प्रेरित था, बस एक बहाना ढूंढ रहा था। अगर हमारा सिनेमा लोगों को बदलने में कामयाब होता तो ये स्थिति ऐसी नहीं होती। हम सिनेमा समाज से बनाते हैं, समाज से सिनेमा नहीं बनता। जो राइटर्स लिखते हैं वो सब समाज में पहले से पड़ा हुआ है। जयदीप की ये बात कई लोगों को सोच में डाल रही है। पिछले काफी समय में देश में कई ऐसी वारदात भी हुई हैं जिसके बाद समाज ने सबसे पहला कसूरवार फिल्मों को ठहराया है। माना जाता है कि कई सारी वारदात फिल्मों में दिखाए सीन्स से प्रेरित होती हैं। आपका इस मुद्दे पर क्या विचार है? क्या सचमुच सिनेमा से लोग प्रेरित होकर खुद को बदलते हैं?

इमरजेंसी युवाओं को देखनी चाहिए : सद्गुरु

कंगना की फिल्म इमरजेंसी की स्क्रीनिंग में सद्गुरु यानी जग्गी वासुदेव भी पहुंचे। उनसे जब फिल्म के बारे में पूछा गया को उन्होंने कहा कि फिल्म के दोनों अभिनेता यहां हैं आपको उनसे पूछना चाहिए। हालांकि, यह फिल्म युवाओं को जरूर देखनी चाहिए, इससे हमें इतिहास के बारे में जानने का मौका मिलता है। सद्गुरु ने कहा कि भारत में इमरजेंसी लगे 50 साल हो गए हैं, ऐसे में इतिहास को जानने के लिए ऐसी फिल्मों को देखना जरूरी है। इससे कुछ सवाल हमारे मन में आते हैं। उन्होंने कहा कि हमें किसी चीज को जज करने से बचना चाहिए। प्रश्न ये है कि हम जो कुछ सीख चुके हैं, वही काम फिर से हो रहे हैं। यहां बैठकर किसी को भी जज करना बहुत आसान है, लेकिन इस फिल्म को एक अभिनेता के साथ किसी बड़े किरदार को निभाना बहुत मुश्किल होता है। अनुपम खेर ने इस फिल्म को लेकर कहा कि सद्गुरु हमारी स्क्रीनिंग में आए ये बहुत ही अच्छा महसूस कर रहे हैं। कंगना ने इस फिल्म में एक्टिंग के साथ निर्देशन भी किया है। इस फिल्म में उन्होंने बहुत ही अच्छा काम किया है और इसके लिए हम उन्हें धन्यवाद देते हैं। कंगना ने इस दौरान कहा कि हमारी फिल्म देखने के लिए सद्गुरु जी आए, ये हमारा सौभाग्य है। फिल्म में मेरे साथ बहुत अच्छी क्रू और शानदार कलाकार रहे हैं। नेशनल विनिंग एक्टर के साथ काम करना हमारे लिए बहुत अच्छा रहा। अगर मैं इतने अच्छे लोगों के साथ फिल्म बना सकती हूं तो क्या ही बात। कंगना रनौत ने कहा कि सद्गुरु फिल्में नहीं देखते लेकिन उन्होंने इस फिल्म के लिए समय निकाला। हम इसके लिए बहुत आभारी हैं।

हमारी फिल्म देखने के लिए सद्गुरु जी आए, ये हमारा सौभाग्य है: कंगना

हर फिल्म के बाद शाहरुख एक कार करते हैं गिफ्ट: फराह खान

फराह खान ने हाल ही में खुलासा किया कि उनके दोस्त और बॉलीवुड बादशाह शाहरुख खान हर फिल्म के बाद उन्हें एक कार गिफ्ट करते हैं। फिल्म निर्देशक और कोरियोग्राफर ने हाल ही में इस बात का खुलासा किया कि शाहरुख खान उन्हें हर एक फिल्म के बाद कार गिफ्ट करते हैं। फराह खान जब अर्चना पूरन सिंह के घर गईं तो बातचीत के दौरान, फराह से पूछा गया कि उन्हें अब तक किसी सेलिब्रिटी से सबसे शानदार तोहफा कौन सा मिला है। जवाब में, उन्होंने खुलासा किया कि शाहरुख उनके साथ हर फिल्म के बाद उन्हें एक कार गिफ्ट करते हैं। उन्होंने मजाक में जल्द ही उनके साथ एक और फिल्म बनाने की इच्छा जताई, यह इशारा करते हुए कि अब एक नई कार का समय आ गया है। अर्चना पूरन सिंह ने अपने यूट्यूब चैनल पर यह वीडियो शेयर किया है। अर्चना ने बताया कि फराह एक ट्रिपलेक्स में रहती हैं और उनके पास एक गर्म स्विमिंग पूल है। जब परमीत ने पूछा कि क्या उन्होंने अक्षय कुमार से घर खरीदा है, तो अर्चना ने मजाक में पूछा, अक्षय ने आपको गिफ्ट दिया था? फराह ने इससे इनकार करते हुए कहा, काश! अर्चना ने फिर फराह से पूछा कि किसी भी स्टार ने उन्हें अब तक का सबसे महंगा तोहफा दिया है, जिस पर फराह ने जवाब दिया, हां मुझे शाहरुख गाड़ियां देता है ना हर फिल्म के बाद। इसके बाद अर्चना पूरन सिंह ने मजाक में कहा, तो

बॉलीवुड | मसाला

जल्दी बना जिस पर फराह ने जवाब दिया, हां, मूवी बनानी है क्योंकि कई कार आने का टाइम हो गया है। जब फराह से पूछा गया कि उनके पति शिरीष कुंदर ने उन्हें सबसे अच्छा गिफ्ट क्या दिया, तो फराह खान ने जवाब दिया, मेरे 3 बच्चे। यह सबसे अच्छा उपहार है। अब मालूम पड़ेगा जब कॉलेज जाएंगे। उनकी फीस आएगी। उन्होंने फिर मजाक में कहा कि इसीलिए उन्होंने एक यूट्यूब चैनल बनाया है।

स्पेस में इतना बड़ा छेद, समा सकते हैं 8 सौ सूरज, धरती को निगला तो नहीं लेगा डकार

इंसान काफी समय से स्पेस पर नजर रखे हुए है। स्पेस की हर एक्टिविटी पर स्पेस एजेंसीज नजर रखती है। इसकी वजह है स्पेस से धरती का कनेक्शन। अगर स्पेस में कुछ भी होता है तो उसका असर धरती पर भी नजर आता है। स्पेस के मिल्कीवे गैलेक्सी में हुए छेद से धरती का टेम्पीचर टेम्प्रेचर प्रभावित होता है। स्पेस एजेंसी नासा ने पाया है कि स्पेस में कई लाख छेद हो चुके हैं। इसका जिम्मेदार धरती पर हो रहा प्रदुषण है। लेकिन अब जो छेद पाया गया है वो इतना बड़ा है कि उसके अंदर आठ सौ से अधिक सूरज समा जाए। नासा ने पाया कि इस छेद में सूरज जैसे करीब आठ सौ तारे समा सकते हैं। लेकिन ये छेद इंसानी आंख से देख पाना नामुमकिन है। नासा के मुताबिक़, मेसियर 4 नाम के तारों के इस सामूग में हजारों तारे मौजूद है। ये धरती से करीब 6 हजार लाइट ईयर की दुरी पर है। तारों के इस समूह पर नासा ने अपने हबल स्पेस टेलिस्कोप से नजर रखी, जिसमें साइंटिस्ट्स को बड़ा-सा छेद नजर आया। स्पेस टेलिस्कोप साइंस इंस्टीट्यूट के Eduardo Vitral इस टेलिस्कोप को ऑपरेट करते हैं। उन्होंने बताया कि इस तरह की चीजें बिना हबल के नजर नहीं आ सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि सिर्फ मिल्की वे गैलेक्सी में ही सौ मिलियन से ज्यादा ब्लैक होल्स मौजूद हैं। लेकिन ये ब्लैक होल आम नहीं है। ये अब तक का दिखा सबसे बड़ा होल है। ब्लैक होल्स के अंदर काफी तेज गुरुत्वाकर्षण होता है। कहा जाता है कि ये इतना स्ट्रांग है कि इसके अंदर से लाइट भी एस्केप नहीं कर पाता। रिसर्चर्स ने मेसीयर 4 के तारों पर बारह साल से नजर रखी थी। अब इसके अंदर एक इतना बड़ा छेद नजर आया है। इस रिसर्च को हाल ही में Royal Astronomical Society के मंथली नोटिसेस में पब्लिश किया गया। इसमें ये भी पता चला कि इन होल्स की ग्रेविटी काफी तेज है, जिससे किसी भी चीज का बच पाना मुश्किल है।

अजब-गजब | सौ साल से गायब था ये मंदिर, जंगल के बीचों बीच इस हाल में मिला

देखने वाला इंसान नहीं बचा जिंदा

हाल ही में एक ऐसा गांव लोगों की नजर के सामने आया जो पिछले सौ सालों से गायब था। इस गांव को जंगल ने अपने गिरफ्त में ले लिया था। आज तक जिसने भी इस गांव को देखा था, उसकी जान नहीं बची थी। यानी इस गांव के बारे में लोगों ने सिर्फ कहानियों में सुना था। लोगों का कहना है कि उनके दादा-परदादा इस गांव के बारे में कहानियां सुनाया करते थे। लेकिन उन्हें ये बात नहीं पता थी कि ये गांव सच में है। बताया जाता है कि सौ साल पहले इस गांव में कई वर्कर्स रहते थे। ये सभी माइनिंग इंडस्ट्री से ताल्लुक रखते थे। लेकिन जब माइनिंग इंडस्ट्री बंद हो गई, तो उन्होंने जगह को छोड़ दिया। धीरे-धीरे इस जगह को पेड़-पौधों ने ढंक दिया। पूरा गांव लोगों की नजर से दूर हो गया। यूके के वेल्स के नटले वैली में बसा है तालीसरन गांव। ये गांव सौ सालों से लोगों की नजर से दूर था। अब जाकर एक बार फिर ये सामने आया। यहां कई मकान के बीच से ही बड़े-बड़े पेड़ उग आए हैं। साथ ही स्टीम इंजन भी मिले जो अब जंग की वजह से खराब हो गए हैं। सोशल मीडिया पर इस गांव की तस्वीरें वायरल हो रही है। इस गांव से एक मंदिर भी मिला है। ये मंदिर कंबोडिया के अंगकोर वट से जुड़ा हुआ माना जा रहा है। वाइल्ड गाइड वेल्स के लेखक डेनियल स्टार्ट के मुताबिक़, इस जगह में बस अब बबून नहीं रहते। पहले ये जगह रहती थी। कभी ये गांव माइनिंग इंडस्ट्री के कारण रोशन रहता था। लेकिन अब यहां सिर्फ जंग लगे मशीन ही बचे हैं। उस समय पानी खींचने के लिए वॉटर व्हील्स की जगह एक स्टीम इंजन को लाया गया था। ताकि मजदूरों पर ज्यादा भार ना पड़े। सौ साल के बाद इस गांव को जंगल ने अपने कब्जे में ले लिया है। लेकिन इसके मिलने के बाद कई लोगों को ये चिंता है कि जल्द ही इस जगह पर टूरिस्ट्स की भीड़ लग जाएगी। इससे ये जगह अपनी खासियत को खो देगी। ये गांव वेल्स की घाटियों में काफी अंदर छिपा हुआ था। इसके बाहर आज भी काफी लोग रहते हैं। लेकिन इस प्राचीन गांव के बारे में सिर्फ किस्से-कहानियां ही बची थी। भले ही ये गांव लोगों की नजर से दूर था लेकिन आज इसकी खूबसूरती के चर्चे दूर-दूर तक हैं। कई लोग अब इसकी खूबसूरती देखने आ रहे हैं। इस जगह पर आने के बाद ऐसा अहसास होगा जैसे समय कहीं रुक गया है। हर कुछ सौ साल पहले की नजर आएगी।

साहस, विश्वास और प्रतिबद्धता से मिलती है सफलता : गौतम अडानी

अडानी इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित हुआ कार्यक्रम

» सपने देखें, लगातार सीखें और निर्माण करें, भारत में अवसरों की कमी नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। अडानी इंटरनेशनल स्कूल में आज एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने छात्रों के सामने भविष्य की चुनौतियों से लेकर वर्तमान की स्थिति पर बात की। उन्होंने संस्थान में शिक्षा हासिल कर रहे छात्रों के माता-पिताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी उन युवा मनों को आकार देने की है, जो कल भारत को आकार देंगे। उन्होंने शिक्षकों और स्टाफ को भी धन्यवाद देते हुए उन्हें मौन नायक बताया। चेयरमैन गौतम अडानी ने कहा कि हमारी दुनिया तेजी से बदल रही है। शिक्षक बच्चों को केवल परीक्षा के लिए तैयार नहीं करते बल्कि वो उनको भविष्य की चुनौतियों से निबटने के साथ जिंदगी को बेहतर ढंग से जीने के लिए एक नजरिया भी प्रदान करते हैं। गौतम अडानी ने छात्रों को न सिर्फ सफलता के सूत्र वाक्य दिये बल्कि अपने जीवन में आयी कठनाइयों और उनसे पार पाने के अनुभवों को भी साझा किया। अध्यक्ष ने यह भी बताया कि अदाणी इंटरनेशनल स्कूल के विचार और दृष्टिकोण का विस्तार अब पूरे देश में किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह सिर्फ शुरुआत है, हम देशभर में ऐसे कई स्कूल बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। इस अवसर पर छात्रों को भी प्रेरित किया गया और उन्हें अपने जीवन में साहस, विश्वास और प्रतिबद्धता को अपनाने की सलाह दी गई।

अडानी ग्रुप के चेयरमैन ने छात्रों में भरा जोश

गौतम अडानी ने छात्रों से कहा कि वह सीमित महत्वाकांक्षाओं तक न रुकें। आज का भारत उनसे बड़ी सोच की उम्मीद करता है। उन्होंने कहा कि आप लगातार सीखें क्योंकि सीखने की गति ही आपको दूसरों से अलग बनाएगी। उन्होंने कहा कि आपकी शिक्षा और सपने तभी सार्थक हैं जब वे समाज और देश के लिए कुछ बड़ा बनाते हैं।

पूरे देश में खोले जाएंगे स्कूल

व्यक्तिगत अनुभव

गौतम अडाणी ने अपने व्यक्तिगत जीवन के बारे में बात करते हुए कहा कि वह एक साधारण पृष्ठभूमि से आए थे। उन्होंने अपने बचपन के अनुभवों और परिवार के प्रभाव के बारे में बताया, विशेष रूप से अपने माता-पिता के साथ बिताए गए समय को याद किया। उन्होंने कहा, बनासकांठा में बिताए गए कठिन दिनों ने मेरे विश्वासों को आकार दिया। उन्होंने अपनी मां के सामंजस्य, प्रेम और दृढ़ता को आदर्श बताते हुए कहा कि वही गुण आज उनके जीवन और आदानी समूह की नींव बने हैं।

स्कूल का उद्देश्य

गौतम अडानी ने कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि यह केवल एक स्कूल नहीं है बल्कि एक एकीकृत समुदाय बनाने का सपना है। उन्होंने बताया कि 2020 की महामारी के दौरान इस दृष्टिकोण के बीज डाले गए थे और अब यह वास्तविकता में बदल चुका है। हम एक ऐसा मंच बनाना चाहते थे, जहाँ बच्चे न केवल अकादमिक में, बल्कि प्रकृति और नवाचार से जुड़कर भी पनप सकें, उन्होंने कहा। 2021 तक इस स्कूल का दृष्टिकोण आकार लेने लगा और 2022 में यह वास्तविकता बन गया। स्कूल के परिसर और डिज़ाइन में स्थिरता और नवाचार के सिद्धांतों को प्रमुखता दी गई है।

नागरिक सुरक्षा कोर की ओर से तहरी भोज का आयोजन

» सुनील यादव की पहल पर आयोजित तहरी भोज में बांटे गये नियुक्ति पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नागरिक सुरक्षा कोर इंदिरा नगर की ओर से तहरी भोज एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सुनील यादव द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जानी मानी हस्तियों ने शिरकत की।

लखनऊ के इंदिरा नगर ए ब्लॉक स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में एस एन गुप्ता (आईएएस) विशेष सचिव महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश, जितेंद्र कुमार दुबे अपर पुलिस उपायुक्त उत्तरी (लखनऊ), हरेंद्र यादव उपसेना नायक (राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ उत्तर प्रदेश लखनऊ), पवन कुमार यादव (पीसीएस) लोकपाल लखनऊ एवं कई अन्य उच्च अधिकारी एवं अन्य सम्मानित लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लखनऊ के कई वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ताओं को सम्मानित भी किया गया तथा नागरिक सुरक्षा के वार्डनो को नियुक्ति पत्र भी दिए गए। नागरिक सुरक्षा संगठन एक ऐसा संगठन है जो नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए काम करता है। यह संगठन विभिन्न प्रकार की सुरक्षा सेवाएं भी प्रदान करता है।

मिल्कीपुर में ब्राह्मण वोटर भी है ट्रंप कार्ड

» सपा के सियासी त्रिकोण में एक बार फिर फंसती दिखाई दे रही है बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पासी-ब्राहमण बाहुल्य सीट मिल्कीपुर सीट सीएम योगी के लिए नाक का बाल बन गयी है। इस सीट पर लंबे समय से सिर्फ अवेधश प्रसाद ही जीतते चले आ रहे हैं। पासी-ब्राहमण बाहुल्य मिल्कीपुर सीट के उप-चुनाव में इस बार अवधेश के बेटे चुनाव लड़ रहे हैं वही बीजेपी ने भी पासी बिरादरी के उम्मीदवार को उतार कर लड़ाई को रोचक बनाने की कोशिश की है। लेकिन सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने धोबी पछाड़ वार करते हुए मित्रसेन और पावन पाण्डेय को सियासी सिपाहसलार बना कर न सिर्फ बिखरे वोटों को एक कर दिया है बल्कि ब्रहमण वोटों का रुख भी सपा की ओर दिखाई देने लगा है।

उत्तर प्रदेश की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में दलित, पिछड़ा के साथ अगड़ा वोट खासकर ब्राह्मण भी ट्रंप कार्ड है। इसको पाने की चुनौती समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी दोनों के सामने होगी। दोनों दल इस वोट बैंक को साधने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक अयोध्या के मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए बीजेपी की तरफ से प्रत्याशी का ऐलान होते ही अब सपा और बीजेपी के बीच ही सीधी लड़ाई नजर आ रही है। चुनावी आंकड़ों के मुताबिक, इस विधानसभा क्षेत्र में पासी बिरादरी के बाद सर्वाधिक ब्राह्मण मतदाता हैं। इस वर्ग को अपने-अपने पाले में लाने के लिए बीजेपी और सपा हाथ-पांव मार रही है।

पल-पल रंग बदल रहा है मिल्कीपुर चुनाव

पासी वोट बैंक में होगा बिखराव

राजीव श्रीवास्तव ने बताया कि इस बार भी बीजेपी के पासवान उम्मीदवार उतारने के कारण पासी वोट बैंक में बिखराव होगा। जीत के लिए अगड़ा वोट बैंक जरूरी है। वो जिधर चला गया, उसकी जीत सुनिश्चित है। इसी कारण इस वोट बैंक के लिए दोनों दलों ने ताकत झोंक रखी है। राजनीतिक जानकारों की मानें तो सपा ने मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर पूर्व विधायक पवन पांडेय के जरिए ब्राह्मण वोट बैंक को गोलबंदी करने की ताकत लगाई है। बीजेपी ने ब्राह्मण मतों को साधने के लिए महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय समेत अपने पुराने ब्राह्मण नेताओं को मोर्चे पर लगाया है।

खो-खो वर्ल्ड कप में लहराया भारत का परचम

» महिला और पुरुष दोनों ही टीमों ने फाइनल में नेपाल को हराकर जीता खिताब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय महिला और पुरुष टीम ने खो-खो वर्ल्ड कप 2025 के खिताब को अपने नाम कर लिया है। महिला और पुरुष दोनों ही टीमों ने फाइनल में नेपाल को हराकर यह खिताब जीता। यह दोनों मुकाबले रविवार को नई दिल्ली में आयोजित किए गए थे। पुरुषों के फाइनल में भारतीय टीम ने नेपाल को 54-36 से हराया, जबकि महिलाओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेपाल की टीम को 78-40 के बड़े अंतर से मात दी।

पुरुषों के फाइनल में नेपाल ने टॉस जीतकर पहले डिफेंड करने का फैसला किया। भारत ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया और पहले टर्न के अंत तक 26-0 की बढ़त बना ली। दूसरे टर्न में नेपाल ने शानदार वापसी की और स्कोर को 26-18 तक ले आए, लेकिन भारतीय डिफेंडर्स ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। तीसरे टर्न में भारत ने आक्रामक खेल दिखाते हुए अपनी बढ़त को 54-18 तक पहुंचा दिया। अंतिम टर्न में नेपाल को 36 अंकों की कमी पूरी करनी थी। उन्होंने अच्छा खेल दिखाया लेकिन भारत के खिलाफ यह पर्याप्त नहीं रहा। भारत ने 54-36 से मैच जीतकर इतिहास रच दिया और खो-खो वर्ल्ड कप के पहले विजेता बने। भारत ने पूरे खो-खो टूर्नामेंट में अपराजित रहते हुए शानदार प्रदर्शन किया।

महिला टीम के डिफेंडर्स ने किया शानदार प्रदर्शन

महिला फाइनल में नेपाल ने टॉस जीतकर भारत को पहले अटैक करने के लिए बुलाया। लेकिन भारत ने शुरुआती मिनटों में ही तेज़ी से प्वाइंट्स बनाकर दबाव बना दिया। पहले टर्न में भारत ने नेपाल के पहले बैच के डिफेंडर्स को एक मिनट से भी कम समय में आउट कर दिया। नेपाल ने भारत की लय को तोड़ने के लिए खेल की गति को धीमा करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय कप्तान प्रियांका इंगले ने डबल प्वाइंट्स बनाते हुए टीम को पहले टर्न के अंत में 34-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे टर्न में नेपाल ने पूरी कोशिश की, लेकिन भारतीय डिफेंडर्स ने उन्हें ज्यादा मौका नहीं दिया। हालांकि नेपाल ने टर्न 2 के अंत तक स्कोर को 35-24 तक लाने में कामयाबी हासिल की, लेकिन भारत की बढ़त बरकरार रही। तीसरे टर्न में भारत ने अपना दबदबा कायम रखा और छह से अधिक बैच के डिफेंडर्स को आउट कर स्कोर 73-24 तक पहुंचा दिया। आखिरी टर्न में भी भारतीय डिफेंडर्स ने मजबूत प्रदर्शन किया और टीम ने आसानी से जीत दर्ज कर पहली महिला खो-खो वर्ल्ड कप चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

कोलकाता आरजी कर मेडिकल कालेज रेप हत्याकांड मामले में संजय राय को उम्र कैद

» जज ने कहा - यह कोई दुर्लभतम मामला नहीं है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। सियालदह कोर्ट की विशेष अदालत ने सोमवार को सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ रेप-हत्या के मामले में एकमात्र दोषी सिविक वालंटियर संजय रॉय को उम्रकैद की सजा सुनाई है। जज ने कहा कि यह कोई दुर्लभतम मामला नहीं है।

कोर्ट ने शनिवार को ट्रेनी महिला डॉक्टर की रेप के बाद हत्या मामले में आरोपी सिविक वालंटियर संजय रॉय को दोषी करार दिया था। फैसले के समय संजय रॉय ने अदालत में दावा किया था कि उसे फंसाया गया है। हालांकि, न्यायाधीश अनिर्बन दास ने कहा कि उसे सजा सुनाए जाने से पहले सोमवार को बोलने का मौका दिया जाएगा। मृतक छात्रा के माता-पिता ने दोषी करार दिए जाने के लिए न्यायाधीश का शुक्रिया अदा किया था। शनिवार को मामले की सुनवाई के दौरान अदालत में अफरा-तफरी की स्थिति भी बन गई थी, जिसके बाद अदालत ने सख्त लहजे में सभी लोगों को चेतावनी दी थी और आरोपी की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया था। पीड़िता के पिता ने सोमवार सुबह पत्रकारों से कहा था, आज सजा सुनाने से पहले विशेष अदालत के न्यायाधीश दोषी की बात सुनेंगे। उसने 20 जनवरी को कुछ कहने पर जोर दिया था, जिस दिन उसे विशेष अदालत ने दोषी ठहराया था। हम चाहते हैं कि उसे अधिकतम सजा दी जाए। उन्होंने कहा था, रॉय निस्संदेह अपराधी है। लेकिन इस साजिश में और भी लोग शामिल हैं। प्रशासन शुरू से ही उन्हें बचाने की कोशिश कर रहा था।

पीड़िता की मां ने कहा था कि संभवत: रॉय इतने लंबे समय तक चुप इसलिए रहा, क्योंकि उसे किसी ने इस मामले में जमानत दिलाने का आश्वासन दिया था। गौरतलब है कि पिछले साल 9 अगस्त में महिला ट्रेनी डॉक्टर का शव आरजी कर अस्पताल के सेमिनार हॉल से बरामद किया गया था। कोलकाता पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और क्राइम सीन से मिले सबूतों के आधार पर जांच की। इसके बाद सिविक वालंटियर संजय रॉय को गिरफ्तार किया गया। संजय रॉय इस मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की चार्जशीट में मुख्य आरोपी हैं। संजय रॉय को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64, धारा 66 और धारा 103 (आई) के तहत दोषी ठहराया गया था।

लंबी चुप्पी के बाद संजय राय बोला - मुझे फंसाया गया

अस्पताल में मिला था ट्रेनी महिला डॉक्टर का शव

कोर्ट ने ये फैसला सुनाने से पहले पीड़िता के माता-पिता को मामले पर अपना अंतिम बयान देने की अनुमति दी। इसके बाद विशेष अदालत के न्यायाधीश ने मामले में सजा सुनाई। बता दें कि ट्रेनी महिला डॉक्टर का शव अगस्त 2024 में कोलकाता के अस्पताल परिसर में मिला था। विशेष अदालत के न्यायाधीश अनिर्बान दास ने 18 जनवरी को रॉय को दोषी ठहराया था। न्यायाधीश ने 18 जनवरी को पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि इस मामले में अधिकतम सजा मृत्युदंड, जबकि कम से कम सजा आजीवन कारावास हो सकती है।

दिल्ली में हरभजन करेंगे आप के लिए चुनाव प्रचार

» आप ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आम आदमी पार्टी ने रविवार को अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी। इस सूची में कुल 40 नेताओं के नाम शामिल किए गए हैं, जो पार्टी की ओर से आगामी विधानसभा चुनाव में प्रचार करेंगे। इस लिस्ट में पार्टी के कई दिग्गज नेताओं के नाम हैं।

आप की स्टार प्रचारकों की सूची में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का नाम सबसे ऊपर है। इसके अलावा, दिल्ली की मौजूदा मुख्यमंत्री आतिशी, अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय, राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा और संजय सिंह के नाम शामिल हैं। इसके अलावा पूर्व भारतीय क्रिकेटर और आप के राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह भी पार्टी स्टार प्रचारक होंगे। इससे पहले, कांग्रेस और भाजपा ने भी विधानसभा चुनाव के लिए अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी की थी।

महज 12 घंटे में 37 लाख लोगों ने देखी अनब्रेकबल

» केजरीवाल के संघर्ष पर बनी है फिल्म, रिलीज पर पुलिस ने लगाई पाबंदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म के रिलीज पर दिल्ली पुलिस ने रोक लगा दी थी। जिसको लेकर आप के नेताओं ने विरोध प्रदर्शन भी किया था। रोक के बावजूद इसका ट्रेलर रिलीज किया गया था और अब इस फिल्म को यूट्यूब पर अपलोड कर दिया गया है। यूट्यूब पर अपलोड किए जाने के महज 12 घंटे बाद ही इस फिल्म को 37 लाख से ज्यादा लोग अब तक देख चुके हैं।

आप ने आरोप लगाया कि भाजपा के कहने पर पुलिस ने केजरीवाल के ऊपर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म की स्क्रीनिंग पर रोक लगा दी थी। दरअसल, दिल्ली में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। राजनीतिक दलों ने चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इस बीच आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व दिल्ली अरविंद केजरीवाल पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म अनब्रेकेबल की स्क्रीनिंग पर रोक लग गई है। इसे लेकर आप ने भाजपा पर निशाना साधा है। रोक लगाने के बाद भी आप ने इस डॉक्यूमेंट्री फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया था। डॉक्यूमेंट्री फिल्म के प्रोड्यूसर ने दावा किया है कि दिल्ली पुलिस ने अरविंद केजरीवाल के ऊपर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म को अनुमति नहीं दी, जिससे इसकी स्क्रीनिंग रुक गई। डॉक्यूमेंट्री मूवी अरविंद केजरीवाल के जेल जाने और बाहर आने तक के सफर पर बनी है। सोमवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, ये फिल्म मेरे लिए बेहद भावुक है।

फडणवीस सरकार पर आदित्य ठाकरे का हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने सोमवार को नासिक और रायगढ़ जिलों के लिए संरक्षक मंत्रियों की नियुक्ति को स्थगित करने की आलोचना की। आदित्य ने एक्स पर कहा, ईवीएम सरकार में अराजकता और लालच।

कल देर रात अचानक नासिक और रायगढ़ के संरक्षक मंत्रालयों के लिए स्थगन आदेश जारी कर दिया गया, जबकि मुख्यमंत्री विदेश दौरे पर हैं। उन्होंने इस बात पर हैरानी जताई कि सीएम उन लालची राजनेताओं के दबाव की रणनीति के आगे झुक गए, जो पहले से ही मंत्री हैं, लेकिन अपनी मर्जी के अनुसार संरक्षक मंत्री की जिम्मेदारी भी चाहते हैं।

सज्जादबाग में कुत्तों ने लोगों का जीना किया मुहाल

बुजुर्गों और बच्चों को दौड़ा-दौड़ा कर काट रहे हैं कुत्ते

» यूपी की राजधानी लखनऊ में कुत्तों का है आतंक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में कुत्तों के काटने की घटनाओं में तेजी से इजाफा हो रहा है। कुत्तों ने लोगों का घरों से बाहर निकलना मुहाल कर रखा है। कुत्ते सबसे ज्यादा बच्चों और बुजुर्गों पर हमलावर है। मोहनलाल गंज में एक कुत्ते के छह बच्चों को काटने की घटना के 24 घंटे के भीतर कुत्तों ने लखनऊ के अलग-अलग इलाकों में एक दर्जन से ज्यादा लोगों को काट लिया। ताजी घटना शहर की पॉश कॉलोनी सज्जादबाग में घटित हुई हैं। जहां अपने घर से बाहर निकल कर जा रहे हैं बुजुर्ग शब्बीर अहमद पर घर के बाहर बैठे कुत्ते ने हमला कर काट लिया।

उसी के 500 मीटर आगे स्थित मंदिर के पास खेल रहे एक पांच वर्षीय बच्चें पर आधा दर्जन कुत्तों ने मिल कर हमला कर दिया। गनीमत यह रही कि वहीं गुजर रहे लोगों ने उस बच्चे को कुत्तों के झुंड से निकाल कर घर पहुंचाया। उस बच्चें को भी कुत्तों की खरोंचे के निशान आये हैं। कुछ वर्षों पहले इसी क्षेत्र में भाई-बहन को घर के बाहर कुत्तों ने नोच कर मार डाला था। सोनू यादव ने बताया कि कुत्ते ने पहले बत्तखों पर हमला किया उसके बाद अपने बच्चों का मार दिया और फिर इंसानी बच्चों पर हमला किया। यह समस्या न केवल नागरिकों के लिए खतरनाक है, बल्कि यह शहर की सड़कों पर सुरक्षा की स्थिति को भी चुनौती दे रही है। शब्बीर अहमद कहते हैं कि नगर निगम और राज्य सरकार को इस समस्या को गंभीरता से लेना चाहिए। सबसे पहले, नगर निगम को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आवारा कुत्तों का संकलन और पुनर्वास किया जाए।

क्यों हमलवार हो रहे हैं कुत्ते

सर्दियों के मौसम में कुत्तों का आक्रामक व्यवहार कुछ हद तक बढ़ जाता है। यह उनकी प्राकृतिक प्रवृत्तियों के कारण होता है। ठंड में उन्हें भोजन की कमी हो जाती है। जिससे वे अधिक चिढ़चिड़े हो जाते हैं। इसके अलावा, ठंड में कुत्तों को आश्रय की तलाश भी होती है, और जब उन्हें ऐसा स्थान नहीं मिलता, तो वे किसी भी वस्तु या व्यक्ति पर हमला कर सकते हैं। कुत्ते सुरक्षा और आराम के लिए असुरक्षित स्थानों की तलाश में होते हैं, जो अक्सर मानव बस्तियों के आसपास होते हैं।

कुत्तों के बिहेवियर में हो रहा बदलाव

कुत्तों के बिहेवियर में बदलाव का एक और बड़ा कारण उनका पालन-पोषण और सामाजिक वातावरण हो सकता है। आजकल अधिकांश कुत्ते आवारा हो चुके हैं और उन्हें किसी प्रकार की प्रशिक्षण या देखभाल नहीं मिल रही है। कुत्ते अक्सर अपनी समस्याओं का समाधान हिंसा से करते हैं, खासकर जब वे असुरक्षित महसूस करते हैं। इसके अलावा, सड़कों पर वाहन, शोर, कुत्तों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।